# मेरे साहिबा मैं तेरी हो मुक्की हाँ

मेरे साहिबा मैं तेरी हो मुक्की हाँ,
मैनु मेरे साहिबा, मनो ना वसारी,
हर गल्लों मैं टुकिया,
मेरे साहिबा मैं तेरी हो मुक्की हाँ ।

अवगुन हारी को गुण नाही,
वक्ष करे ता मैं छुटियाँ ,
मेरे साहिबा मैं तेरी हो मुक्की हाँ ।

ज्यों पावे त्यों राख पियारिया,
दामन तेरे वे मैं लुक्कियां,
मेरे साहिबा मैं तेरी हो मुक्की हाँ ।

जे तू नजर मेहर दी भाले,
चढ़ चौबारे मैं सुत्ती हां,
मेरे साहिबा मैं तेरी हो मुक्की हाँ ।

कहे हुसैन फ़कीर साईं दा,
दर तेरे दी मैं कुत्ती हां,
मेरे साहिबा मैं तेरी हो मुक्की हाँ ।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1374/title/mere-sahiba-main-teri-ho-mukkii-haan-shabad-with-Hindi-lyrics

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |